

सुखमहावला ॥ ६ ॥ मं ॥ मृगष्टवे वाचनचक्रवर्हिनी ॥
७ ॥ कं ॥ ज्ञानद्वयवज्रसुखमहावीर्या ॥ ८ ॥ लूकिकायवक्रः
सुखानालवसाती ॥ ९ ॥ जकिनीवक्रवामासुखं सुखा
हावृषीनिगजवर्मसूखा ॥ काकास्यावजसूला ॥ उलकास्या ॥ मृ
कं ॥ १० ॥ सुनास्यावजकहि ॥ सुकलास्या उमवृकं ॥ यमजानी ॥

कयाल॥यमइतीया॥यमदंष्ट्रावमनीली॥यममथनीपत्रम्
वाधिविरुमुरुगुचवकु॥ ॥पृथिवीधातुपातनीम्
प्राकृमाविनी॥रुगाधातुनाकर्षनी॥वायूधातुपमनुरुहनी॥
॥यममथनीपत्रम्॥वृषत्क॥धवेशाचन॥वदनात्के॥ध
वजा॥धपमनुरुहनी॥संस्कारत्क॥धवजनाज

॥विरुमुरु॥धवजसत्त्व॥ ॥सर्वकथागत॥त्वणीहवृवज॥व
कृष॥हवज॥॥आनय॥धवज॥आनय॥धवज॥वकुमया
जागवज॥सम्यर्गमात्ससूर्यवज॥सर्वजयनिष्पवज॥ ॥ ॥
विरुमुरु॥वाक्मृमिनारु॥कायवेशाचन॥ ॥ ॥ ॥
ह॥हृदि॥वजसत्त्वमनसि॥सिलसिवेशाचन॥स्वाहाहंसत्वायां

१८
१८



॥ यमनर्हं भववायट् ॥ स्वभद्वहन्क ॥ हूं हूं हूं हावकृषा ४ वग
 सूर्यहट् सर्वागा ॥ ओं वं नाहे ॥ वजवागहि ॥ हां यां हृदियामि
 नी ॥ कौ मां वकु माहिनी ॥ हूं कौ सिलसि संवा विनी ॥ हूं हूं सिखा
 यां ॥ संजासनि ॥ हूं श्वष्टिकायां सर्वाण्यस्तु ॥ ॐ ॥ अथ म
 उमराखन् ॥ श्रीकावा मवयं स्तनं रुकावा हृदुवर्जिनी ॥ नकु नाः

वृपनासार्थककावधस्तिरुक्कवि ४ सर्वसत्त्वधवधरुता शुक्लवर्ण
 दिशुक्तसन्धर्वमात्मानं रावयन् ॥ ॐ ॥ ओं श्रीवज्रहन्तृक हूं हूं
 हूं जाकिनी जालसंभवसंस्वारा ॥ ओं वज्रवागही हूं हूं ॥ ओं कवैश्व
 रवधुक्पालिनी यहूं हूं ॥ ओं प्रवधु हूं हूं ॥ स्वाहा ॥ ओं कलू २ मः
 हाकं कावहूं हूं ॥ ओं वधुक्की हूं हूं स्वाहा ॥ ओं वध्वशकं कावहूं हूं

४५
 ॥ ५ ॥

॥ॐ॥ यहा मनी स्वाहा ॥ॐ॥ कास्य २ वि कट्ट छि न हूँ रुद्र महाना
स स्वाहा ॥ॐ॥ कास्य २ सु ना वे वि धिय हूँ रुद्र वी न मनी य स्वाहा
ॐ॥ की मी ना हूँ रुद्र खर्व वि य स्वाहा ॥ॐ॥ हूँ २ वज्र य रुद्र हूँ रुद्र
लं क स्व वि य स्वाहा ॥ॐ॥ हूँ २ वज्र द हूँ रुद्र क म मू य स्वाहा ॥ॐ॥

रुद्र २ अं कु लिक हूँ रुद्र न वा व कि य स्वाहा ॥ॐ॥ द ह २ वज्र ऊ टि
य स्वाहा ॥ महा ह २ वि य स्वाहा ॥ॐ॥ रुद्र २ वज्र हूँ का न स वृ धि ना
क माला व लं वि न हूँ रुद्र ॥ सु ना ह कि स्वाहा ॥ॐ॥ रुद्र २ स रुद्र स
फ या ना ल ग कं रुद्र ग स र्व वा क र्ज र्य २ हूँ रुद्र त्या मा द वी य स्वा
हा ॥ॐ॥ आ क य २ वज्र रुद्र हूँ रुद्र स रुद्र स्वाहा ॥ॐ॥ की २ महा ह २ व

२०
१०

वहं हृदयक (धूं) स्वाहा ॥ ओं हूं २ विवृपाक हूं हृदयगानन स्वा
हा ॥ ओं क्रौं २ महावल हूं हृदयकवग स्वाहा ॥ ओं वत्तव हूं हृदय
वधुवाह स्वाहा ॥ ओं क्रौं २ हयक (धूं) हृदय साधुनीय स्वाहा ॥
ओं हूं २ आकासगर्ह हूं हृदय ॥ वक्रवर्हिनीय स्वाहा ॥ ओं किलि २
हृदयक हूं हृदय सूवीय स्वाहा ॥ ओं मिलिशय मनरुं वध हूं हृदयम

हावय स्वाहा ॥ ओं किलि २ वेवावन हूं हृदयकवर्हिनीय स्वाहा ॥
ओं धिलि २ वज्रसत्त्व हूं हृदय महावीर्य स्वाहा ॥ महाक जायमूक
सकपमकु विधानक ॥ वज्रसत्त्वपयाधन जायहावना ॥ कस्य
व ॥ सिद्धमकु महाविद्या ॥ मकु साधनमरुं मम ॥ प्रविश्यामधु
लमकु ॥ कायवाकु बिरुहावने ॥ ४ ॥ मकुलं देवनाथा

ता॥ सर्वसिद्धिप्रदायकम् ॥ ४ ॥ ॐ मिथी कल्याणकरः
कुंभधीवक्रसम्भवारुमसमाफ॥ ॐ - ॥ शुभं ह्याह ॥ शुभं
वामशुभं वाममदाघनदीयक ॥ ० ॥ ४ ॥ ॐ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धनसल्लाघिसिंधिलनः
यिलवाय ॥ ॐ उद्यातारुवचक्रकानिबधूता विष्णुद्वाराहास

वा दग्धविद्रिक्तया छिन्नाकमहिता पियूषधनासूतावृद्धः
स्नानरसाविना विकल्पासा नन्दसंदाह्वाराणां रावविचार
ना विवहिका वा वाहिका पादुव ॥ मल्लाहिसवाय ॥ रावनाक
या ॥ ॐ निर्मानादिदिनसमधुलगताकायादिवर्धुवता या
कालाकालकालान्तरसवासूक्ताकसूत्रापमा विद्यावृद्धक

उन्मयहिनयश्चक्रुः पारुदिन स्नानया ललिताई गार्हपत्य
 धावावाहिकावरुसि॥ निर्मात्रवक्रुः स्मिन्वकाव चस्मिहिल
 कनिष्ठरुवर्नगत्वा ऊगदर्थमाकषय समयसत्वं हावयन्॥
 अर्थपाउस अर्थया लेखक यवाश्च॥ हँ हँ हँ हँ आशीवक्रुवाः
 नाहि प्रवचसत्कावाय पाशादि अर्थ आचमनं प्राक्रमनं प्र

निष्ठु स्वाहा॥ ऊँ हँ हँ हँ हँ॥ ॥ सत्ताहि सत्ता नवायदा
 य॥ ओं ओं ओं सर्ववृद्धा किनीयवज्रपुष्पप्रतिष्ठु स्वाहा॥ ओं वः
 ऊवधूनीयवज्रपुष्पप्रतिष्ठु स्वाहा॥ ओं वज्रवेनावनीयव
 ज्रपुष्पप्रतिष्ठु स्वाहा॥ दधुस॥ ओं आ ध्यादि यात्रवज्रपुष्पप्रः

२३

किं ह्यस्वाहा ॥ हुं जगत् ॥ ओं श्राः पूर्ण गीरीयवज्र पूष्यं प्र किं ह्यस्वा
हा ॥ खडास ॥ ओं श्राः शिहतायवज्र पूष्यं प्र किं ह्यस्वाहा ॥ थः
न ॥ ओं श्राः कामवपीनीयवज्र पूष्यं प्र किं ह्यस्वाहा ॥ ऊडास ॥
ओं श्राः धर्मकायवज्र पूष्यं प्र किं ह्यस्वाहा ॥ खडाकाथूकूनस

ओं श्राः निर्मानकायवज्र पूष्यं प्र किं ह्यस्वाहा ॥ खडाथथूकूनस ॥
ओं श्राः महासूषवकायवज्र पूष्यं प्र किं ह्यस्वाहा ॥ ऊ
डाथथूकूनस ॥ ओं श्राः संकागकायवज्र पूष्यं प्र किं ह्यस्वाहा
ऊडाकथूकूनस ॥ यदि गसंखान ह्यहाकथ ॥ ओं श्राः नदाव

भी॥तालमाथ॥बासादहिन॥वज्रशगिनी॥धी॥थनमझाफडागीतहाडातनर
 मझातुषनेगीत॥धन२॥वीववर्थातस॥गीत॥चक्रिदुल॥समपूजागीत॥
 बाग॥नाट॥ताल॥डटि॥कशन॥बागनाट॥तालकमि॥सकलक॥सूजाभाय
 गीत॥बाग॥साद॥हाय॥कथा॥गकवर्था॥गीत॥बाग॥ताडि॥तालमाथ॥सुपमि
 मल्लिक॥सलुलप्रदडीना॥गीतनिर्गुव॥वाहिलहिय॥गीत॥विहं॥मिष
 भय॥गीत॥बागवलादि॥ताल॥मय॥का॥वूलवस॥गसवकसगीत॥ताखन

अथ भक्तविरचित

ALMA RECHERCHES

405

धूमिद्विविधकृया॥ इविनापूर्वयाकं॥ सोसाहनि याकं॥ न॥ गुनमधुलगी
 न॥ मधुमन॥ इतिमाधि॥ गीत॥ मूनिन॥ कलशपूजा॥ गीत॥ मूनरुच॥ भूमीथप
 न॥ गीत॥ पीनिलाय॥ मासकि पूजा॥ गीत॥ चक्रवर्ध॥ धूपनमह॥ इवपूजा॥ गी
 क॥ उचक्र॥ ग्राहनिविय॥ गीत॥ कलितवजानय॥ सोसाहनि॥ गीत॥ कासाव
 लासिग्रह॥ गीत॥ हाउग्राह॥ उपयमालकाहाल॥ वाहिलहिय॥ गीत॥ वेकि
 दल॥ सीहालगीत॥ गीत॥ गसचक्रगीत॥ सावच॥ धूमिद्विविनापूर्वयाक

४४॥ चक्रप्रवाहयाक॥ गुनमधुलस॥ गीत॥ मधुमन॥ इतिमाधिगीत॥ मूनि
 न॥ मासकिपूजा॥ गीत॥ चक्रवर्ध॥ धूपगीत॥ नमह॥ इवपूजा॥ मद्रुपूजा
 गीत॥ उचुवनकलित॥ गसचक्र॥ कालोव॥ मूलपूजागीत॥ हाउग्राह॥ वाह
 पूजागीत॥ नाग॥ मधुवि॥ उकता॥ चक्राग्रमधुन॥ धूमिगानिपूजा॥ गीत॥ नाग
 मधुवि॥ तालवस्यनि॥ धूमिगानि॥ सावच॥ गीत॥ प्रमादिता॥ उपयमालका
 हाल॥ स्वमामधुधिल॥ गीत॥ धूमिनि॥ नूतिचक्रपूजावकर्मयाक॥ ० ॥ सिद्धा

इतिथकूयाक॥ अर्थकचम॥ गीत॥ हाठाकच॥ मडाकूखन॥ गीत॥ धव॥
 कसतिकास॥ नमस्तु॥ योगमाला॥ गीत॥ विव्यम॥ नमस्तु॥ मडाकाय॥ गीत॥
 हनसि॥ मलाचार्य॥ नमस्तु॥ गीत॥ नमस्तु॥ मलन॥ गीत॥ विव्यम॥ कसि॥
 भिषायेव॥ गीत॥ नमस्तु॥ भिषायेव॥ गीत॥ नमस्तु॥ भिषायेव॥ गीत॥ नमस्तु॥
 समाधिगीत॥ अनिल॥ मामकिपूजा॥ गीत॥ नमस्तु॥ भिषायेव॥ गीत॥ नमस्तु॥
 गीत॥ नमस्तु॥ वि॥ नमस्तु॥ उकाल॥ निर्मनादि॥ मयपूजागीत॥ कडम॥ गीत॥ नमस्तु॥

च॥ मिलाह॥ नमस्तु॥ गीत॥ नमस्तु॥ गीत॥ नमस्तु॥ गीत॥ नमस्तु॥ गीत॥ नमस्तु॥
 ल॥ कलमपूजागीत॥ अनिल॥ अनिल॥ अनिल॥ अनिल॥ अनिल॥ अनिल॥
 नमस्तु॥ भिषायेव॥ गीत॥ नमस्तु॥ भिषायेव॥ गीत॥ नमस्तु॥ भिषायेव॥ गीत॥ नमस्तु॥
 मय॥ मय॥ मय॥ मय॥ मय॥ मय॥ मय॥ मय॥ मय॥ मय॥ मय॥ मय॥ मय॥ मय॥ मय॥ मय॥
 न॥ गीत॥ हाठाकच॥ उपमालकाहाल॥ बाहिलयि॥ वकि॥ नमस्तु॥ सहा॥ गीत॥
 मय॥ गुन॥ नमस्तु॥ नमस्तु॥ नमस्तु॥ नमस्तु॥ नमस्तु॥ नमस्तु॥ नमस्तु॥ नमस्तु॥

दसहाय॥ गायक॥ गीत॥ शास्त्रचरु॥ ७७ कितिका कूक याक ७७ सिद्धा का काय याक
७७ आपाधन का ७७ कस पाठने हि ७७ गीत॥ धव २ पंच सा लिला हया गीत सा डारु व
७७ उपमा की हल ७७ बहिल हि ७७ गीत॥ चक्रि पू ७७ संतो न गीत॥ ७७ यं यं गीत॥ गीत
चक्र गीत॥ शास्त्र ७७ धु कितिका का काय क ७७ ७७ सिद्ध सा कू य या क ७७ गु नू म
७७ ल स गीत॥ मधु म नू ७७ च ह म प ७७ गीत नि मी ता दि ७७ कू क प ७७ गीत ७७
बाग ७७ गंध र व वि ७७ काल ७७ म प ७७ ७७ द ह ७७ च क या गी ७७ नी पू ७७ गीत क ७७ दि ७७ काल

म प ७७ च क या गी नी ७७ अरु ७७ म नू ७७ गीत ७७ बाग र व वि ७७ काल म प ७७ ७७ आ ७७ गीत
सा वि ७७ गीत ७७ म निल ७७ कल ग य ७७ गीत ७७ अ नू क व ७७ मा म कि पू ७७ गीत ७७ व क व
७७ ७७ व य गीत ७७ न म ७७ द व व वा ७७ गीत ७७ बाग वि ल सा ७७ काल मा थ ७७ दी रु ज ७७ व मू ७७
य ७७ सा लि ग्र ह न ७७ गीत ७७ हा ज र व वा ७७ उप मा कं हा म ७७ बहिल हि ७७ गीत ७७ च क्रि पू ७७
सं हा व गीत ७७ ७७ यं यं ७७ म नू च क र गीत ७७ शा स्त्र च र ७७ स र व ति वि थ ७७ गीत ७७ मा दि
मा ७७ उप मा ल वी ७७ र व मा म ७७ ल थि ले गी ७७ व वि नी ७७ धु कितिका सा कू य वा ७७ गु नू

[illegible]

कावाय॥गीत॥हवनसिवा॥मूलनृत्यगीत॥उमहिसुल॥मूल॥नृक्षगीत॥जिउवनः
कलिका॥गीतप्रसादिक॥रुमीववनस॥गीतवजमयरुमी॥वसुंधवाविवासन
गीत॥गंधमलुल॥नागाताड॥नाल॥क॥ते॥बाग॥सधमगु॥नाल॥इर्जमी॥ले
श्रिऊन॥धीलगीत॥निर्माणादे॥गीत॥कूदहं॥गीत॥स॥योगिनी॥बाग॥
मलाद॥नालमाथ॥बमियाकीन॥॥उकवदनधी॥बाग॥हेववि॥नासमप॥
॥कुरुनिहाऊन॥बाग॥तादि॥नालमाथ॥पूर्वबा॥सुप्रनिमलिकधी॥धीति

गीतासुप्रतिमल्लिकधविशमगायागीत॥औखवज्रधकु॥पूजाइय॥गीतमध
मव॥धलिगीत॥गंधमधुल॥सयकूमाविपूजा॥गीत॥वाग॥वाडि॥तालमा
थ॥वाचादिव्यलिङ्ग॥गीतषथांगनी॥गीत॥गोकुदहंत॥गीत॥अश्रुद्वंद्व॥गीत
मृनिल॥गीतमृनूरुच॥गीत॥वक्रवर्ध॥धूपयात्यंतुयगीत॥नमद्व॥इडा
पूजागीत॥विदुक्तकमूखा॥वालपूजागीत॥नागहंविधि॥तालमय॥पूर्व
वागानिगा॥पूर्वप्रभायनीर्ध॥सयपूजागीत॥कउतिसकलगा॥गीतप्रमदि

मधुल॥गीतधूमिगावि॥गीतकुर्यवाधुलि॥भासिग्रहन॥गीत॥हाग्रहवत्॥
उपमालेकीहाले॥संहलगीत॥जयेश॥वाग॥वसीत॥ताल॥मया॥चन्द्रश्रुदित
जिनवलकननिर्ध॥चहस्पजाशा॥गीत॥वागपंचमा॥तालमाथ॥मूखनावि
गीत॥चंडाग्रम॥मृत्पूजनप्रवण॥गीत॥द्विविनि॥मडा॥भायगीत॥
भादभाहाय॥मृत्पूजा॥मूलपूजागीत॥कालवृ॥पायग्रहक॥गीतउमिता
गीत॥चंद्राग्रम॥गीतधूमिगादि॥लववलि॥गीतप्रमादिगा॥धमासमुल

सगीतद्वीवेनी॥ इति महावहस्ययाचयार्थकथल॥ अंनमः श्रीपद्मनृत्तस्य
 हृदिसातथयाचयार्थकथ॥ पथमंरुमीसुधन॥ गीतवज्रमथरुमीश्रुका॥ वसुंधा
 नाधिवसनागीतगीधमसुल॥ मृदाधुजागीत॥ हाजहवसा॥ मृदानेदिआ॥ गीत
 धवश॥ जमनिकासा॥ नदिनसस्कावा॥ राग॥ मालागीतविष्यसहस्र॥ जमनिका
 काकागाथा॥ हवसव॥ कलचरुगीत॥ प्रमहिमसुल॥ मलनृत्तगीत॥ विरुचन
 कलित॥ मालिकापूजागीतमृकालसंज्ञक॥ वज्रववहस्यगीतद्विरीडिनाथ॥

किलनकाय॥ गीत॥ अथवज्र॥ मलनृत्तगीतप्रभादिता॥ गुनमसुलगीत॥ मधुम
 नृत्तमसाधिगीत॥ मृनील॥ मामकिपूजागीत॥ वक्रवर्क॥ धूपगीतनेतदे॥
 दंडापूजागीतविवक्र॥ धूपयासीसर्वतनृत्तनि॥ गीतनमह॥ चउथागितीनृ
 त्यनिपगीत॥ पूर्व॥ नागनवात्रि॥ तालमाथा॥ मृत्तनिर्जनाश्रक॥ दिठ॥
 नद॥ विरुचकायावहस्यनिनृत्तगीत॥ नागलसितागासमाथाविरुच
 काय॥ वाक्काया॥ श्रुंका॥ पाथवकाया॥ श्रुंका॥ विचक्रास्तिवचउ

